भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1487
उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 9 फरवरी, 2026
20 माघ, 1947 (शक)

बिहार में कबीर मठों का संरक्षण और विकास

1487. श्री मनोज कुमार:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि बिहार के समस्तीपुर जिले में स्थित कबीर आचार्य गद्दी लक्ष्मीपुर बगीचा, रोसरा और कबीर वाचवंशीय आचार्य गद्दी महादेव मठ, रोसरा 300 से 400 वर्ष पुराने मठ हैं जिनकी समृद्ध आध्यात्मिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत है;
(ख) क्या सरकार द्वारा पर्याप्त संरक्षण न मिलने के कारण भू-माफियाओं द्वारा स्थानीय प्रशासन की कथित संलिप्तता के साथ लगभग 500 करोड़ रुपये मूल्य के मुख्य मंदिरों सहित कई एकड़ भूमि को अवैध रूप से हस्तांतरित किया गया है;
(ग) यदि हां, तो इन महत्वपूर्ण कबीर मठों के संरक्षण, पुनरुद्धार और विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या सरकार का बिहार में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इन मठों में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए स्वच्छ पेयजल, शौचालय, अतिथि गृह और सामुदायिक भवन जैसी सुविधाएं प्रदान करने का विचार है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी हां। कबीर आचार्य गद्दी लक्ष्मीपुर बगीचा, रोसरा और कबीर वाचवंशीय आचार्य गद्दी महादेव मठ, रोसरा, बिहार राज्य के समस्तीपुर जिले में अवस्थित हैं और ये मठ बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत हैं।

(ख) और (ग): समस्तीपुर जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार, इन मठों की भूमि के हस्तांतरण में स्थानीय प्रशासन की ऐसी कोई भागीदारी नहीं है।

(घ) और (ङ): प्राप्त सूचना के अनुसार, बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड संपूर्ण राज्य में विभिन्न मठों के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को आत्मसात् करते हुए बिहार में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार राज्य सरकार ने बिहार सरकार के पर्यटन विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत प्रमुख मठों में स्वच्छ पेय-जल, स्वच्छता सुविधाएं (शौचालय), अतिथि गृहों और सामुदायिक भवनों जैसी आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं।

*****